Regarding problems faced by soyabean farmers

श्री सागर ईश्वर खंड्रे (बीदर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज किसान बहुत ही मुश्किल में है । उनकी फसलों की खरीदारी एमएसपी पर नहीं हो रही है । हमारे क्षेत्र में बहुत से किसान सोयाबीन उगाते हैं । सरकार प्रति एकड़ सिर्फ पाँच क्विंटल सोयाबीन खरीदती है और कुल मिलाकर एक किसान से 20 क्विंटल तक खरीदारी सीमित रखती है । इस कारण ज्यादा फसल उगाने वाले किसानों के साथ यह अन्याय है । खरीदी का टाइम भी जल्दी खत्म हो जाता है । इस वजह से बहुत से किसानों को एमएसपी का लाभ नहीं मिल रहा है । हमारे क्षेत्र में 20 लाख क्विंटल से ज्यादा सोयाबीन उगाया जाता है । लेकिन 20 लाख क्विंटल से कम सोयाबीन की खरीदी हुई है । इसका मतलब यही है कि 90 परसेंट से ज्यादा किसानों को एमएसपी का लाभ नहीं मिल रहा है । सोयाबीन का मार्केट रेट साढ़े तीन हजार रुपए है । एमएसपी का रेट लगभग 4,900 रुपए है ।

मेरी मांग है कि हमारे क्षेत्र में अभी भी बहुत सारा सोयाबीन पड़ा हुआ है, जिसे सरकार को खरीदना चाहिए ।

In future, such restrictions on procurement of crops under MSP should not be put so that all farmers can avail the benefit of MSP.